



अध्याय 1:
प्रस्तावना तथा लेखापरीक्षा दृष्टिकोण



अध्याय 1: प्रस्तावना तथा लेखापरीक्षा दृष्टिकोण

1.1 कम्पनी के विषय में

नेशनल एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड (कम्पनी) को 7 जनवरी 1981 में निगमित किया गया था और इसका पंजीकृत कार्यालय भुवनेश्वर, ओड़िशा में है। कम्पनी ने अप्रैल 2008 में नवरत्न लोक उद्यम का दर्जा प्राप्त किया था। कम्पनी की बॉक्साइट खान पंचपटमाली पहाड़ी, ओड़िशा में है तथा बॉक्साइट खान के निकट दामनजोड़ी में एल्यूमिना के उत्पादन के लिए एल्यूमिना रिफाइनरी (रिफाइनरी) है। तालचर कोयला भंडार के समीप अनुगुल, ओड़िशा में कैल्साइनड एल्यूमिना से एल्यूमिनियम का उत्पादन करने के लिए एक प्रद्रावक संयंत्र (स्मेल्टर प्लांट) की स्थापना की गयी थी और इसके साथ विद्युत की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक कैप्टिव विद्युत संयंत्र (कैप्टिव पावर प्लांट) की स्थापना भी की गयी। कम्पनी मई 1989 में लंदन मेटल एक्सचेंज (एल.एम.ई.) में पंजीकरण के साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में व्यापार करने वाली एल्यूमिनियम क्षेत्र की प्रथम भारतीय कम्पनी भी है।

1.2 उत्पादन प्रक्रिया का ब्यौरा

1.2.1 खान

कम्पनी, एल्यूमिनियम का उत्पादन करने के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री बॉक्साइट, का खनन दामनजोड़ी, ओड़िशा में अपनी पंचपटमाली खान से किया। कम्पनी को पांच वर्ष हेतु खनन योजना तैयार करना तथा खनन परिचालनों के आरंभ से पूर्व भारतीय खान ब्यूरो (आई.बी.एम.) द्वारा इसे स्वीकृत करवाना अपेक्षित है। सम्पूर्ण खनन परिचालनो को स्वीकृत खनन योजना के अनुसार किया जाना है। ऐसी स्वीकृत खनन योजना से विचलनों, यदि कोई हो, तो उसे भी आई.बी.एम से पूर्व स्वीकृत करवाना अपेक्षित था। खनन परिचालनों के दौरान, बॉक्साइट को अनावृत करने के लिए उपरी भार को हटाया जाता है जिसे उत्खनन के बाद डम्परो के माध्यम से मुख्य क्रशर तक ले जाया जाता है

2019 की प्रतिवेदन संख्या 6

जहा उसे पीसकर 14.6 कि.मी. लम्बे केबल बेल्ट कन्वेयर के माध्यम से एल्यूमिना रिफाइनरी तक परिवहन किया जाता है।

1.2.2 एल्यूमिना रिफाइनरी

खानो से प्राप्त बॉक्साइट को एल्यूमिना हाइड्रेट के उत्पादन के लिए कास्टिक सोडा तथा अन्य रसायनों के साथ रिफाइनरी में संसाधित किया जाता है। इसे बाद में रिफाइनरी के कैल्साइनर संयंत्र (कैल्साइनर) में कैल्साइनड एल्यूमिना के रूप में संसाधित किया जाता है। कैल्साइनड एल्यूमिना के एक भाग का निर्यात किया जाता है तथा शेष भाग को एल्यूमिनियम के उत्पादन हेतु अनुगुल में कम्पनी के स्मेल्टर प्लांट को भेजा जाता है।

1.2.3 स्मेल्टर प्लांट

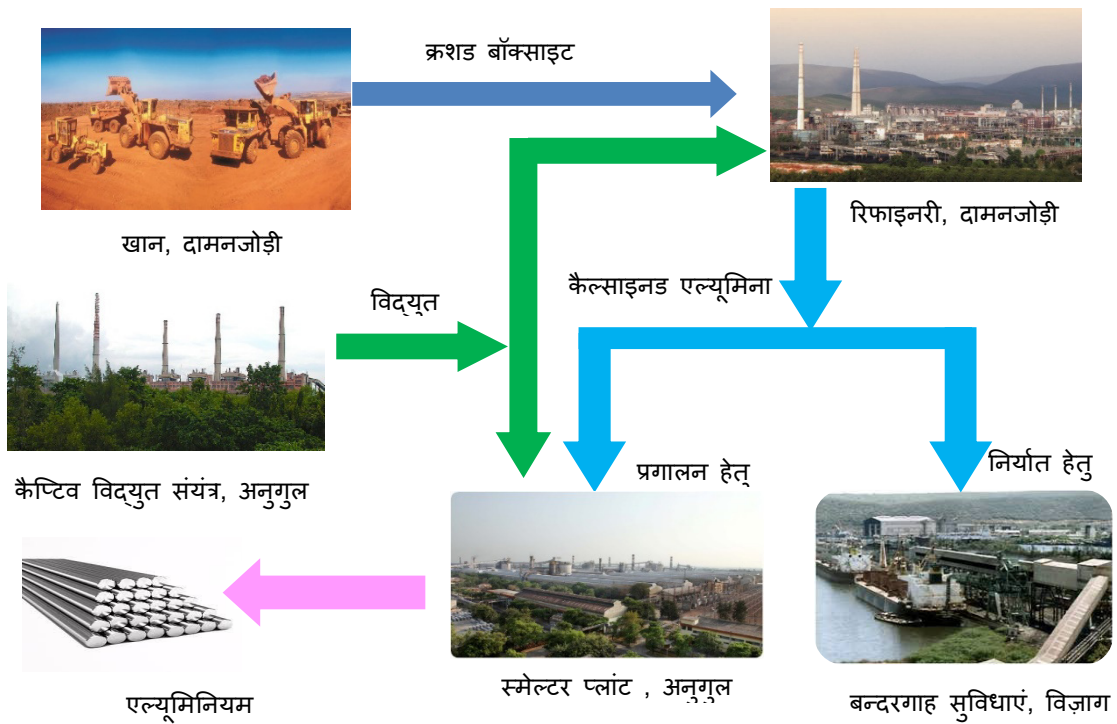
कम्पनी का अनुगुल, ओडिशा में स्मेल्टर प्लांट रिफाइनरी से प्राप्त कैल्साइनड एल्यूमिना से एल्यूमिनियम इंगोट, बिलेट आदि जैसे एल्यूमिनियम उत्पादों का उत्पादन करता है। कम्पनी की रोलड कॉयल¹, चेकर्ड शीट²आदि जैसे विभिन्न मूल्य संवर्धित रोलड उत्पादों के उत्पादन के लिए स्मेल्टर प्लांट में एक रोलड उत्पादन इकाई भी है।

¹ रॉलड कॉयल का उपयोग बस बोडिज, फैन ब्लेड, निर्माण में क्लेडिंग, एल्यूमिनियम संयोजन पैनल आदि जैसे वाणिज्यिक तथा सामान्य इंजीनियरिंग अनुप्रयोग में किया जाता है।

² चेकर्ड शीटों का उपयोग अधिकतर ऑटोमोबाइल तथा रेलवे में फ्लोरिंग तथा क्लेडिंग (सुरक्षा हेतु कवर करना) में किया जाता है।

1.2.4 कैप्टिव विद्युत संयंत्र

एल्युमिनियम प्रगलन एक अधिक विद्युत खपत प्रक्रिया होने के नाते कम्पनी ने स्मेल्टर प्लांट को अबाधित तथा विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति करने के लिए अनुगुल, ओड़िशा में कोयला आधारित कैप्टिव विद्युत संयंत्र (सी.पी.पी.) की स्थापना की जो तालचर कोयला भंडारों के निकट है। सी.पी.पी. ने दामनजोड़ी में रिफाइनरी द्वारा अपेक्षित विद्युत का एक भाग भी प्रदान किया। आरेख प्रस्तुति नीचे दी गई है:



चित्र 1: मुख्य इकाईयों तथा प्रक्रियाओं की आरेख प्रस्तुति

1.3 कम्पनी का उत्पादन प्रदर्शन

निम्नलिखित तालिका 2016-17 को समाप्त पांच वर्षों के दौरान कम्पनी की विभिन्न इकाईयों के उत्पादन डाटा के साथ-साथ क्षमता उपयोग को दर्शाती है।

तालिका 1: उत्पादन ब्यौरा

वर्ष	विवरण	खान से बॉक्साइट	एल्यूमिना रिफाइनरी से एल्यूमिना हाइड्रेट	स्मेल्टर प्लांट से एल्यूमिनियम	कैप्टिव विद्युत संयंत्र से विद्युत
		(लाख टन में)	(लाख टन में)	(लाख टन में)	(मिलियन यूनिट में)
2012-13	उत्पादन क्षमता	63.00	21.00	4.60	10,512.00
	वास्तविक उत्पादन	54.19	18.02	4.03	6,855.27
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	86.02	85.81	87.61	65.21
2013-14	उत्पादन क्षमता	68.25	22.75	4.60	10,512.00
	वास्तविक उत्पादन	62.93	19.25	3.16	5,644.07
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	92.21	84.62	68.70	53.69
2014-15	उत्पादन क्षमता	68.25	22.75	4.60	10,512.00
	वास्तविक उत्पादन	57.39	18.51	3.27	5,805.81
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	84.09	81.36	71.09	55.23
2015-16	उत्पादन क्षमता	68.25	22.75	4.60	10,512.00
	वास्तविक उत्पादन	63.40	19.53	3.72	6,609.15
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	92.89	85.85	80.87	62.87
2016-17	उत्पादन क्षमता	68.25	22.75	4.60	10,512.00
	वास्तविक उत्पादन	68.25	21.00	3.90	6,869.18
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	100.00	92.31	84.78	65.35
औसत	उत्पादन क्षमता	67.20	22.40	4.60	10,512.00
	उत्पादन	61.23	19.26	3.62	6,356.70
	क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	91.12	85.98	78.70	60.47

स्रोत: संबंधी इकाईयों का लागत विवरण

1.4 घरेलू एल्यूमिनियम क्षेत्र³ में कम्पनी का कार्य-निष्पादन

भारत में एल्यूमिनियम के प्रमुख उत्पादक नेशनल एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड (कम्पनी), हिंडाल्को इंडस्ट्रिज लिमिटेड (हिंडाल्को) तथा वेदान्ता लिमिटेड (वेदान्ता) हैं। कम्पनी जहा एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है वही हिंडाल्को तथा वेदान्ता दोनो निजी क्षेत्र के उद्यम के रूप में कार्य कर रही हैं। उक्त दो घरेलू कम्पनीयों के साथ एल्यूमिना तथा एल्यूमिनियम के उत्पादन में कम्पनी के तुलनात्मक प्रदर्शन की चर्चा नीचे की गई है:

1.4.1 उत्पादन निष्पादन:

(क) एल्यूमिना: 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान, उक्त एल्यूमिनियम उत्पादकों द्वारा रिफाइनरी में एल्यूमिना की संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन निम्नानुसार था:

तालिका 2: एल्यूमिना उत्पादन की तुलना

(आंकड़े लाख टन में)

अवधि	नाल्को		वेदान्ता		हिंडाल्को		कुल	
	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन
2012-13	21.00	18.02	12.00	5.27	15.00	13.20	48.00	36.49
2013-14	22.75	19.25	12.00	5.24	15.00	16.00	49.75	40.49
2014-15	22.75	18.51	12.00	9.77	30.00	23.00	64.75	51.28
2015-16	22.75	19.53	12.00	9.71	30.00	27.00	64.75	56.24
2016-17	22.75	21.00	12.00	12.08	30.00	29.00	64.75	62.08
औसत	22.40	19.26	12.00	8.41	24.00	21.64	58.40	49.31
औसत क्षमता उपयोग (प्रतिशत)		86		70		90		84

³ सभी आंकड़े उक्त तीन एल्यूमिनियम उत्पादन कंपनियों की प्रकाशित वार्षिक रिपोर्टों तथा भारतीय खान ब्यूरो द्वारा प्रकाशित भारतीय खनिज वार्षिक पुस्तक से लिए गए हैं।

2019 की प्रतिवेदन संख्या 6

उक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उक्त अवधि के दौरान कम्पनी की एल्यूमिना रिफाइनरी के संदर्भ में औसत क्षमता उपयोग 86 प्रतिशत था, जबकि वेदान्ता तथा हिंडाल्को का क्रमशः 70 प्रतिशत तथा 90 प्रतिशत था। यह भी अवलोकन किया गया कि यद्यपि 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान कम्पनी के एल्यूमिना का वार्षिक उत्पादन 18.02 लाख टन से 21.00 लाख टन तक बढ़ा, तथापि एल्यूमिना के कुल घरेलू उत्पादन में कम्पनी का भाग 49 प्रतिशत (2012-13) से 34 प्रतिशत (2016-17) तक कम हुआ था। यह प्रमुख रूप से हिंडाल्को की क्षमता में 15 लाख टन की पूर्व क्षमता से 2014-15 के दौरान 30 लाख टन तक 100 प्रतिशत वृद्धि की वजह से था। इसके अलावा, हिंडाल्को ने केवल अपनी क्षमता में ही वृद्धि नहीं की अपितु 2016-17 में विस्तारित क्षमता के 97 प्रतिशत की सीमा तक उत्पादन भी किया।

उक्त को स्वीकार करते समय प्रबंधन ने कहा (मार्च 2019) कि:

- अक्टूबर 2014 के दौरान गंभीर चक्रवाती हदहद की वजह से, पिछले वित्तीय वर्ष के उत्पादन स्तर से परिणामी कम उत्पादन से उत्पादन प्रभावित हुआ था।
- आई.बी.एम. के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुपालन में अधिक सिलिका तत्व वाले बॉक्साइट का उपयोग करने से अपकृष्ट उत्पादन अर्थात् इनपुट के रूप में बॉक्साइट की समान मात्रा का प्रबंधन करके भी एल्यूमिना का कम उत्पादन हुआ था।
- तीनो एल्यूमीनियम उत्पादक विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर भिन्न एल्यूमिना तथा सिलिका तत्व वाले स्वतंत्र बॉक्साइट खान में उत्पादन का परिचालन कर रहे थे। अतः ऐसी स्थिति में तुलनात्मक विश्लेषण विभिन्न खनिकों के बीच तार्किक संबंध को परिलक्षित नहीं करेगा।
- कथित पांच वर्षों के दौरान नालको का औसत क्षमता उपयोग राष्ट्रीय औसत से अधिक था।

मंत्रालय ने प्रबंधन के उक्त मतों की पुष्टि की (मार्च 2019)।

प्रबंधन के उक्त उत्तर की निम्नलिखित के मद्देनजर समीक्षा की जाए:

- प्रबंधन द्वारा कथित रूप में हुदहुद चक्रवात (अक्टूबर 2014) का प्रभाव 2016-17 को समाप्त पांच वर्षों के लिए कम्पनी के निष्पादन के संदर्भ में नगण्य था।
- अधिक सिलिका तत्व वाले बॉक्साइट का उपयोग करने के संशोधित आई.बी.एम दिशा-निर्देश एल्यूमिनियम उद्योग के सभी उद्यमों पर लागू थे।
- प्रकृति से बॉक्साइट भंडार का विषमरूप होने के कारण आस-पास में भी भिन्न थी।
- कम्पनी का औसत क्षमता उपयोग 2016-17 को समाप्त पांच वर्षों के दौरान हिंडालको से कम था।

(ख) एल्यूमिनियम: 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान उक्त उत्पादकों द्वारा स्मेल्टर में एल्यूमिनियम की संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन निम्नानुसार था:

तालिका 3: एल्यूमिनियम उत्पादन की तुलना

(आंकड़े लाख टन में)

अवधि	नालको		वेदान्ता		हिंडालको		कुल	
	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन	क्षमता	उत्पादन
2012-13	4.60	4.03	8.45	7.74	5.62	5.42	18.67	17.19
2013-14	4.60	3.16	8.45	7.94	5.62	6.13	18.67	17.23
2014-15	4.60	3.27	8.45	8.77	12.82	8.34	25.87	20.38
2015-16	4.60	3.72	23.20	9.23	12.80	11.00	40.60	23.95
2016-17	4.60	3.87	23.20	12.13	12.80	13.00	40.60	29.00
औसत	4.60	3.61	14.35	9.16	9.93	8.78	28.88	21.55
औसत क्षमता उपयोग (प्रतिशत में)	79		64		88		75	

2019 की प्रतिवेदन संख्या 6

उक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उक्त अवधि के दौरान कम्पनी के एल्यूमिनियम स्मेल्टर के संदर्भ में औसत क्षमता उपयोग 79 प्रतिशत था जबकि यह वेदान्ता तथा हिंडाल्को में क्रमशः 64 प्रतिशत तथा 88 प्रतिशत था। एल्यूमिनियम के उत्पादन के लिए कम्पनी के स्मेल्टर की औसत संस्थापित क्षमता कुल घरेलू प्रगालन क्षमता का 16 प्रतिशत थी तथा कम्पनी के एल्यूमिनियम उत्पादन का भाग उक्त अवधि के दौरान कुल घरेलू एल्यूमिनियम उत्पादन का 17 प्रतिशत था।

प्रबंधन ने उक्त को स्वीकार करते समय तर्क दिया (मार्च 2019) कि एल्यूमिनियम के बाजार मूल्य तथा अन्य स्रोतों से कोयला मंगाने की वजह से उत्पादन की अधिक लागत को ध्यान में रखते हुए लाभप्रदता के अनुकूलन हेतु एल्यूमिनियम के उत्पादन को विनियमित किया गया था। प्रबंधन ने आगे यह कहा कि इसके स्मेल्टर प्लांट का औसत क्षमता उपयोग राष्ट्रीय औसत से अधिक था। मंत्रालय ने उक्त मतों की भी पुष्टि की (मार्च 2019)।

तथापि, लेखापरीक्षा यह बताना चाहती थी कि स्मेल्टर प्लांट में एल्यूमिनियम का कम उत्पादन कम्पनी के कैप्टिव विद्युत संयंत्र के उप इष्टतम परिचालन की वजह से था। यह प्रमुख रूप से कम्पनी द्वारा कैप्टिव कोयला ब्लॉक के विकास में विलम्ब के कारण था जो पैरा 3.1 में चर्चा किया गया है। इसके अलावा, कम्पनी का औसत क्षमता उपयोग 2016-17 को समाप्त पांच वर्षों के दौरान हिंडाल्को से कम था तथा इसमें सुधार की गुंजाइश है।

1.4.2 उत्पादन की लागत:

वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक के वर्षों के लिए नालको तथा वेदान्ता के एल्यूमिना तथा एल्यूमिनियम की उत्पादन लागत निम्नानुसार थी:

तालिका 4: एल्यूमिना तथा एल्यूमिनियम की उत्पादन लागत की तुलना

अवधि	एल्यूमिना			एल्यूमिनियम		
	नालको (₹ प्रति टन)	वेदान्ता		नालको (₹ प्रति टन)	वेदान्ता	
		(₹ प्रति टन)	(\$ प्रति टन)		(₹ प्रति टन)	(\$ प्रति टन)
2012-13	13,793	19,241	353	111,375	102,300	1,879
2013-14	14,404	21,700	358	120,992	100,400	1,658
2014-15	14,212	21,800	356	114,355	उपलब्ध नहीं	1,755
2015-16	13,033	उपलब्ध	315	108,718		1,572
2016-17	13,629	नहीं	282	113,204		1,463

टिप्पणी: हिंडालको की रिपोर्ट में उक्त सूचना उपलब्ध नहीं थी।

प्रबंधन के साथ-साथ मंत्रालय ने उक्त तथ्यों को स्वीकार किया (मार्च 2019)।

1.4.3 लाभप्रदता:

(क) ई.बी.आई.टी.डी.ए. का पैमाना:

वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक तीनों संस्थाओं का एल्यूमिनियम व्यवसाय के परिचालन से राजस्व तथा ई.बी.आई.टी.डी.ए., जिसमें एल्यूमिना तथा एल्यूमिनियम दोनों की बिक्री सम्मिलित है, निम्नानुसार थी:

तालिका 5: परिचालन तथा ई.बी.आई.टी.डी.ए. से राजस्व की तुलना

(₹ करोड़ में)

अवधि	नालको			वेदान्ता			हिंडालको		
	राजस्व	ई.बी.आई.टी.डी.ए.	ई.बी.आई.टी.डी.ए. का पैमाना (प्रतिशत)	राजस्व	ई.बी.आई.टी.डी.ए.	ई.बी.आई.टी.डी.ए. का पैमाना (प्रतिशत)	राजस्व	ई.बी.आई.टी.डी.ए.	ई.बी.आई.टी.डी.ए. का पैमाना (प्रतिशत)
2012-13	6,809	1,417	20.81	10,024	1,272	12.69	8,776	1,423	16.21
2013-14	6,649	1,443	21.70	10,779	1,716	15.92	10,050	1,568	15.61
2014-15	7,262	2,527	34.80	12,726	2,517	19.78	14,105	2,084	14.77
2015-16	6,703	1,528	22.80	11,091	655	5.90	18,363	2,009	10.94
2016-17	7,438	1,448	19.47	13,686	2,306	16.85	19,983	3,473	17.38
औसत	6,972	1,673	23.99	11,661	1,693	14.52	14,255	2,111	14.81

2019 की प्रतिवेदन संख्या 6

उक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि कम्पनी का औसत ई.बी.आई.टी.डी.ए का पैमाना घरेलू बाजार में अन्य एल्यूमिनियम उत्पादकों से अधिक था।

(ख) प्रयोग में लाई गई पूंजी पर प्रतिफल (आर.ओ.सी.ई.): निम्नलिखित विवरण ने प्रयोग में लाई गई पूंजी तथा इक्विटी निवेशों के संदर्भ में लाभ सृजित करने की उनकी कुशलता का मूल्यांकन करने के लिए उक्त तीन एल्यूमिनियम उत्पादकों के प्रदर्शन को दर्शाया। तथापि, इन कार्य-निष्पादन सूचकों ने वेदान्ता तथा हिंडाल्को के एल्यूमिनियम व्यवसाय में कुशलता को पूरी तरह से परिलक्षित नहीं किया क्योंकि वे एल्यूमिनियम के अतिरिक्त अन्य धातुओं के व्यवसाय में भी लगे हुए थे।

तालिका 6: आर.ओ.सी.ई. तथा आर.ओ.ई. की तुलना

(आंकड़े प्रतिशत में)

अवधि	प्रयोग में लाई गई पूंजी पर प्रतिफल (आर.ओ.सी.ई.)			इक्विटी पर प्रतिफल (आर.ओ.ई.)	
	नालको	वेदान्ता	हिंडाल्को	नालको	हिंडाल्को
2012-13	5.91	17.00	4.22	4.97	5.00
2013-14	5.98	17.00	4.34	5.29	3.85
2014-15	10.89	16.00	5.22	10.33	2.48
2015-16	6.04	7.40	4.30	5.66	1.31
2016-17	7.12	14.40	5.89	6.55	3.29

टिप्पणी: वेदान्ता लिमिटेड की इक्विटी पर प्रतिफल के आंकड़े उपलब्ध नहीं थे।

यह उपरोक्त तालिका में देखा जा सकता है कि वर्ष 2014-15 के दौरान कम्पनी का आर.ओ.ई. और आर.ओ.सी.ई. दोनों मुख्यतः उच्च ई.बी.आई.टी.डी.ए. के कारण उच्च था (तालिका 5)।

प्रबंधन के साथ-साथ मंत्रालय ने भी उपरोक्त तथ्यों को स्वीकार किया (मार्च 2019)।

1.5 लेखापरीक्षा क्षेत्र और उद्देश्य

एल्यूमिना रिफाइनरी का परिचालन खान से पर्याप्त मात्रा में इच्छित गुणवत्ता के बॉक्साइट की आपूर्ति पर निर्भर करता है जबकि स्मेल्टर संयंत्र के लिए अबाधित विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता है, जो कैप्टिव विद्युत संयंत्र से मिलती है। तालिका 1 से यह

देखा जा सकता है कि खान, एल्यूमिना रिफाइनरी, स्मेल्टर संयंत्र और कैप्टिव विद्युत संयंत्र का उत्पादन प्रदर्शन उनकी संबंधित उत्पादन /स्थापित क्षमताओं से कम था। इस पृष्ठभूमि में, एक निष्पादन लेखापरीक्षा की गई थी। निष्पादन लेखापरीक्षा में 2012-13 से 2016-17 की अवधि के दौरान खान, एल्यूमिना रिफाइनरी, स्मेल्टर संयंत्र और कैप्टिव विद्युत संयंत्र का उत्पादन प्रदर्शन शामिल किया गया। हालाँकि, पूर्व वर्षों और 2016-17 के बाद के संबंधी मामलों को शामिल किया, जहां कहीं उपयुक्त हों।

निष्पादन लेखापरीक्षा के उद्देश्यों का आकलन करना था कि:

- खान, एल्यूमिना रिफाइनरी की इष्टतम क्षमता का उपयोग करने के लिए इच्छित गुणवत्ता का अपेक्षित बॉक्साइट का उत्पादन कर रही थी।
- एल्यूमिना रिफाइनरी लागत उपयोगी तरीके से एल्यूमिना हाइड्रेट के उत्पादन के लिए पूरी क्षमता से काम कर रही थीं।
- स्मेल्टर संयंत्र लागत उपयोगी तरीके से डिजायन क्षमता के अनुसार इच्छित गुणवत्ता का एल्यूमिनियम का उत्पादन कर रही थी।
- विभिन्न ढलाई सुविधाओं का उनकी इष्टतम क्षमताओं तक उपयोग किया गया था।
- कैप्टिव विद्युत संयंत्र लागत उपयोगी तरीके से स्मेल्टर संयंत्र और एल्यूमिना रिफाइनरी का अपेक्षित विद्युत आपूर्ति करने लिए कुशलता से कार्य कर रहा था।

1.6 लेखापरीक्षा मानदंड

लेखापरीक्षा मानदंड निम्नलिखित स्रोतों से लिए गए थे:

- कम्पनी की खनन योजनाएं।
- खनन परिचालनों से संबंधित भारतीय खान ब्यूरो द्वारा निर्दिष्ट मानक।
- एल्यूमिना रिफाइनरी और स्मेल्टर संयंत्र के परिचालनों के लिए प्रक्रिया अनुज्ञापतिदाता⁴ (मैसर्स रियो टिन्टों एलकन) द्वारा निर्धारित मानक।

⁴ प्रक्रिया अनुज्ञापतिदाता वह पार्टी है जो एक करार द्वारा लाइसेंसधारी (यहां कम्पनी) को विचार के आदान-प्रदान में एक तकनीकी बौद्धिक संपदा के उपयोग करने की अनुमति देता है। लाइसेंस आगे उक्त तकनीक के उपयोग के दौरान समय-समय पर लाइसेंसधारी का मार्गदर्शन करता है।

2019 की प्रतिवेदन संख्या 6

- आगत सामग्रियों के उपभोग के लिए कम्पनी द्वारा तय मानक।
- ईंधन आपूर्ति करार।

1.7 लेखापरीक्षा कार्य पद्धति

लेखापरीक्षा जांच 28 जुलाई 2017 को प्रबंधन की एन्ट्री कांफ्रेंस के साथ शुरू की गई जिसमें लेखापरीक्षा क्षेत्र, लेखापरीक्षा उद्देश्यों और मानदंड की चर्चा की गई थी। लेखापरीक्षा की समाप्ति पर, निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट का मसौदा प्रबंधन को जारी (31 जनवरी 2018) किया गया था और दिनांक 23 अप्रैल 2018 को एग्जिट कांफ्रेंस भी आयोजित की गई थी। प्रबंधन के जवाबों और विचारों को शामिल करने के बाद मसौदा निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट खान मंत्रालय को जारी (16 मई 2018) की गई थी। मंत्रालय के जवाब प्राप्त के बाद, 13 अगस्त 2018 को मंत्रालय के साथ एग्जिट कांफ्रेंस आयोजित की, जिसमें लेखापरीक्षा टिप्पणियों के साथ-साथ उनकी सिफारिशों पर भी विस्तृत चर्चा की गई थी। मंत्रालय/प्रबंधन के विचारों को इस रिपोर्ट में विधिवत रूप से शामिल किया गया है।

1.8 रिपोर्ट की संरचना

इस रिपोर्ट में एल्यूमिना रिफाइनरी और खान, स्मेल्टर और कैप्टिव विद्युत संयंत्र, पर्यावरण के मुद्दों, निष्कर्ष और सिफारिशों के निष्पादन को शामिल करने वाले अध्याय है। रिपोर्ट में सात संलग्नकों और संक्षेपण की एक सूची भी शामिल है।

1.9 लेखापरीक्षा अभारोक्ति

लेखापरीक्षा प्रबंधन और मंत्रालय द्वारा उपरोक्त लेखापरीक्षा के समय पर पूरा करने के लिए सहयोग के लिए आभार प्रकट करती है।